



International Journal of Advance Studies and Growth Evaluation

गुणवत्ता और पारदर्शिता के मानदंड के प्ररिप्रेक्ष्य में विभिन्न संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क का तुलनात्मक विश्लेषण

*¹ धर्मेन्द्र कुमार मौर्य

*¹ सहायक प्रोफेसर, शिक्षा संकाय (बी0एड0विभाग), राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, भारत।

Article Info.

E-ISSN: 2583-6528

Impact Factor (SJIF): 6.876

Peer Reviewed Journal

Available online:

www.alladvancejournal.com

Received: 18/Sep/2024

Accepted: 15/Oct/2024

*Corresponding Author

धर्मेन्द्र कुमार मौर्य

सहायक प्रोफेसर, शिक्षा संकाय
(बी0एड0विभाग), राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल,
उत्तराखण्ड, भारत।

सारांश:

रैंकिंग फ्रेमवर्क उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रभावी उपकरण है। यह विभिन्न मानदंडों के आधार पर संस्थानों की तुलना करता है, जिसमें अकादमिक गुणवत्ता, शोध उत्पादकता, शिक्षण और अधिगम के अनुभव, और सामाजिक प्रभाव शामिल हैं। इस रैंकिंग का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। जब संस्थान रैंकिंग में उच्च स्थान प्राप्त करते हैं, तो यह उन्हें संसाधनों और छात्रों को आकर्षित करने में सहायता करता है। इसके अलावा, रैंकिंग डेटा का उपयोग नीतिगत निर्णय लेने में भी किया जा सकता है, जिससे संस्थानों की कमजोरियों और ताकतों की पहचान होती है। हालांकि, रैंकिंग प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जैसे कि डेटा की सटीकता, मानदंडों का चयन, और विभिन्न संस्थानों की विविधता को ध्यान में रखना। इसलिए, एक प्रभावी संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क के विकास के लिए लगातार सुधार और अपडेट की आवश्यकता है। अंततः, यह फ्रेमवर्क उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे समग्र शैक्षिक अनुभव में सुधार होता है और समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है। इस अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क का तुलनात्मक विश्लेषण करना है, जो उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और पारदर्शिता को बढ़ावा दे सके।

मुख्य शब्द: संस्थानिक रैंकिंग, टाइम्स हायर एजुकेशन (The), गुणवत्ता मूल्यांकन, पारदर्शिता, अकादमिक मानदंड, शंघाई रैंकिंग।

प्रस्तावना:

उच्च शिक्षा का क्षेत्र वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और यह किसी देश की आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक प्रगति के लिए आवश्यक है। इस संदर्भ में, संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रदर्शन का तुलनात्मक मूल्यांकन करता है। संस्थानिक रैंकिंग का उद्देश्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। छात्रों और शिक्षकों के लिए सही संस्थान का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, विशेषकर जब वे विभिन्न शैक्षणिक मानदंडों और पाठ्यक्रमों के बीच निर्णय ले रहे होते हैं। रैंकिंग फ्रेमवर्क इस प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद करता है, जिससे उपयोगकर्ता निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। हालांकि, रैंकिंग प्रणालियों की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे हैं। कई बार, डेटा संग्रहण की प्रक्रिया, मानदंडों का चयन, और संस्थानों की विविधता को ध्यान में न रखना रैंकिंग के परिणामों को प्रभावित कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप, कुछ संस्थान उचित मान्यता प्राप्त नहीं कर पाते हैं, जबकि अन्य

अनावश्यक रूप से उच्च रैंकिंग प्राप्त कर लेते हैं। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य एक व्यापक संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क का विकास करना है, जो उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और पारदर्शिता को सशक्त बनाए। यह अध्ययन न केवल रैंकिंग के प्रभावों का मूल्यांकन करेगा, बल्कि इसके पीछे के नीतिगत संदर्भ और संस्थागत सुधार के अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इस प्रकार, यह शोध उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा, जिससे न केवल छात्रों और शिक्षकों को लाभ होगा, बल्कि समग्र रूप से शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में भी कदम उठाए जा सकेंगे। उच्च शिक्षा में संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क का विकास एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, जो संस्थानों के प्रदर्शन और गुणवत्ता का मूल्यांकन करने में सहायक है। इस शोध पत्र का उद्देश्य विभिन्न संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क, जैसे QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, टाइम्स हायर एजुकेशन, शंघाई रैंकिंग, और एनआईआरएफ का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

शोध के उद्देश्य

1. विभिन्न रैंकिंग फ्रेमवर्क्स के मानदंडों का विश्लेषण करना।
2. उनके प्रभाव और विश्वसनीयता की तुलना करना।
3. छात्रों और शिक्षकों के लिए उपयुक्त रैंकिंग फ्रेमवर्क का निर्धारण करना।

शोध विधि

शोध के लिए विभिन्न रैंकिंग फ्रेमवर्क्स का अध्ययन करते समय निम्नलिखित विधियों का उपयोग किया गया:

साहित्य समीक्षा: पिछले अध्ययनों और रैंकिंग रिपोर्ट्स का विश्लेषण किया गया।

डेटा संग्रह: विभिन्न संस्थानों की रैंकिंग से संबंधित डेटा एकत्र किया गया।

तुलनात्मक विश्लेषण: विभिन्न मानदंडों और रैंकिंग परिणामों की तुलना की गई।

विभिन्न संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क का तुलनात्मक विश्लेषण

1. **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग- QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** उच्च शिक्षा संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में एक प्रमुख नाम है। यह रैंकिंग प्रणाली सालाना प्रकाशित होती है और इसका उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और प्रदर्शन का मूल्यांकन करना है। QS (Quacquarelli Symonds) रैंकिंग का उपयोग छात्रों, शिक्षकों, और नीति निर्माताओं द्वारा विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों के चयन में सहायता के लिए किया जाता है।

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के प्रमुख मानदंड: QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विभिन्न मानदंडों के आधार पर विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करती है, जिनमें शामिल हैं:

- i) **अकादमिक प्रतिष्ठा:** यह मानदंड विश्वविद्यालय के शिक्षण और शोध की गुणवत्ता को दर्शाता है। इसमें शिक्षकों और शैक्षणिक पेशेवरों द्वारा विश्वविद्यालय की पहचान को मापा जाता है।
- ii) **नियोक्ता प्रतिष्ठा:** यह मानदंड यह दर्शाता है कि नियोक्ता किस हद तक विश्वविद्यालय के स्नातकों को पसंद करते हैं। नियोक्ताओं से प्राप्त फीडबैक इस मानदंड के लिए महत्वपूर्ण होता है।
- iii) **शिक्षण-शिक्षार्थी अनुपात:** यह मानदंड विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के बीच अनुपात को दर्शाता है, जो शिक्षण की गुणवत्ता और व्यक्तिगत ध्यान देने की क्षमता को प्रभावित करता है।
- iv) **अंतरराष्ट्रीय संकाय और छात्र अनुपात:** यह मानदंड विश्वविद्यालय के भीतर विविधता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मापता है। इसमें अंतरराष्ट्रीय संकाय और छात्रों की संख्या को ध्यान में रखा जाता है।
- v) **अनुसंधान प्रभाव:** यह मानदंड विश्वविद्यालय के शोध कार्यों की गुणवत्ता और उनके द्वारा किए गए उद्धरणों की संख्या को मापता है।

2. **टाइम्स हायर एजुकेशन (The):** टाइम्स हायर एजुकेशन (The) एक प्रमुख वैश्विक रैंकिंग प्रणाली है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता और प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है। यह रैंकिंग हर साल प्रकाशित होती है और इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक, शोध, और सामाजिक प्रभाव को मापना है।

टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) के प्रमुख मानदंड: टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग विभिन्न मानदंडों के आधार पर की जाती है, जिनमें शामिल हैं:

- i) **शिक्षण (Teaching):** यह मानदंड विश्वविद्यालय के शिक्षण गुणवत्ता और शिक्षकों की संख्या को दर्शाता है। इसमें छात्र-शिक्षक अनुपात और अकादमिक प्रतिष्ठा को भी मापा जाता है।
- ii) **शोध (Research):** यह मानदंड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्यों की गुणवत्ता और मात्रा को मापता है। इसमें शोध गतिविधियों से जुड़े उद्धरणों की संख्या भी शामिल होती है।
- iii) **उद्धरण (Citations):** यह मानदंड यह मापता है कि शोध कार्यों को कितनी बार उद्धृत किया गया है, जो शोध की प्रभावशीलता को दर्शाता है।
- iv) **अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण (International Outlook):** यह मानदंड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय विविधता को दर्शाता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय छात्रों और संकाय का अनुपात शामिल है।
- v) **औद्योगिक आय (Industry Income):** यह मानदंड यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय किस हद तक उद्योग से वित्तीय सहायता प्राप्त करता है, जो अनुसंधान और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

3. **शंघाई रैंकिंग:** शंघाई रैंकिंग, जिसे आधिकारिक तौर पर Academic Ranking of World Universities (ARWU) के नाम से जाना जाता है, उच्च शिक्षा संस्थानों की एक प्रमुख वैश्विक रैंकिंग है। इसे 2003 में चीन के शंघाई जियाओ टोंग विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किया गया था। यह रैंकिंग दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक और अनुसंधान प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए प्रसिद्ध है।

शंघाई रैंकिंग के प्रमुख मानदंड: शंघाई रैंकिंग में निम्नलिखित प्रमुख मानदंडों का उपयोग किया जाता है:

- i) **Nobel पुरस्कार और फ़ील्ड्स मेडल:** यह मानदंड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त Nobel पुरस्कारों और फ़ील्ड्स मेडल की संख्या को मापता है।
- ii) **उद्धरण (Citations):** यह मानदंड शोध पत्रों में उद्धरणों की कुल संख्या को दर्शाता है, जो शोध की गुणवत्ता और प्रभावशीलता का संकेत है।
- iii) **शोध कार्य (Research Output):** यह मानदंड शोध पत्रों की मात्रा और गुणवत्ता का मूल्यांकन करता है, जिसमें प्रमुख जर्नलों में प्रकाशित शोध शामिल होता है।
- iv) **अंतरराष्ट्रीय सहयोग:** यह मानदंड उस शोध का मापन करता है जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से किया गया है, जिससे वैश्विक नेटवर्किंग का संकेत मिलता है।
- v) **प्रमुख वैज्ञानिक पुरस्कार:** यह मानदंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण पुरस्कारों को भी शामिल करता है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है।

3. **एनआईआरएफ (NIRF):** एनआईआरएफ (National Institutional Ranking Framework) भारत सरकार द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग के लिए स्थापित एक प्रणाली है। इसे 2015 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना और उन्हें सार्वजनिक रूप से रैंक करना है।

एनआईआरएफ (National Institutional Ranking Framework) के प्रमुख मानदंड: एनआईआरएफ रैंकिंग में विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:

| मानदंड | विवरण | अंकों का वितरण |
|--------------------------|---|----------------|
| शिक्षण, सीखना और संसाधन | शिक्षकों की संख्या, छात्र-शिक्षक अनुपात, शैक्षणिक सुविधाएँ | 100 |
| अनुसंधान और विकास | शोध पत्रों की संख्या, शोध गतिविधियाँ, अनुसंधान फंडिंग | 100 |
| निष्कर्षों के लिए आउटपुट | स्नातक की नौकरी की दर, उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने वाले छात्रों की संख्या | 100 |
| समाज में प्रभाव | सामाजिक विविधता, संस्थान की सामाजिक जिम्मेदारी | 100 |
| सुविधाएँ | संस्थान की पहचान, छात्र और शिक्षक की राय | 100 |

एनआईआरएफ रैंकिंग प्रक्रिया

- डेटा संग्रहण:** प्रत्येक संस्थान से विभिन्न मानदंडों पर डेटा एकत्रित किया जाता है।
- मूल्यांकन:** मानदंडों के अनुसार डेटा का मूल्यांकन किया जाता है और अंकों का वितरण किया जाता है।
- रैंकिंग जारी करना:** समग्र स्कोर के आधार पर संस्थानों की रैंकिंग की जाती है। एनआईआरएफ डेटा तालिका विभिन्न मानदंडों के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने का एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिससे छात्रों और शिक्षकों को सही संस्थान चुनने में सहायता मिलती है।

5. यू.एस. न्यूज़ & वर्ल्ड रिपोर्ट सर्वश्रेष्ठ वैश्विक विश्वविद्यालय

ध्यान: शोध प्रतिष्ठा, प्रकाशन, सामान्यीकृत उद्धरण प्रभाव, कुल उद्धरण, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग।

ताकत: शोध उत्पादन और प्रभाव पर मजबूत ध्यान; अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए विशिष्ट मेट्रिक्स शामिल करता है।

6. CWTS लेइडेन रैंकिंग

ध्यान: बिलियोमेट्रिक संकेतकों के आधार पर शोध प्रदर्शन; प्रकाशनों और उद्धरणों पर जोर।

ताकत: शोध प्रभाव और सहयोग का विस्तृत दृश्य प्रदान करता है; व्यक्तिपरक प्रतिष्ठा सर्वेक्षणों से कम प्रभावित।

7. वेबमेट्रिक्स रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज

ध्यान: वेब उपस्थिति और दृश्यता, जिसमें बैकलिंक्स और संस्थागत वेबसाइटों के उद्धरण शामिल हैं।

ताकत: ऑनलाइन उपस्थिति और पहुंच पर ध्यान केंद्रित करने वाला अनूठा दृष्टिकोण; डिजिटल रूप से सक्रिय संस्थानों को उजागर कर सकता है।

प्रमुख तुलना

| | |
|-------------------------|--|
| विधि: | कुछ रैंकिंग प्रतिष्ठा सर्वेक्षणों को प्राथमिकता देती हैं, जबकि अन्य बिलियोमेट्रिक डेटा या विशिष्ट शोध उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। |
| ध्यान केंद्रित क्षेत्र: | QS और THE जैसे रैंकिंग अधिक समग्र होते हैं, जिनमें शिक्षा और अंतरराष्ट्रीयकरण शामिल हैं, जबकि ARWU शोध उत्पादन पर जोर देता है। |
| पारदर्शिता: | कुछ रैंकिंग (जैसे CWTS लेइडेन) की विधियाँ अधिक पारदर्शी होती हैं, जिससे संस्थानों को समझने में मदद मिलती है कि उन्हें कैसे मूल्यांकित किया गया है। |
| क्षेत्रीय प्रासंगिकता: | कुछ रैंकिंग विशेष क्षेत्रों के लिए अधिक उपयुक्त हो सकती हैं (जैसे, यू.एस. न्यूज़ विशेष रूप से उत्तरी अमेरिकी संस्थानों के लिए प्रासंगिक है)। |

निष्कर्ष

विभिन्न संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क्स का तुलनात्मक अध्ययन यह दर्शाता है कि प्रत्येक फ्रेमवर्क की अपनी विशेषताएँ और सीमाएँ हैं। QS और टाइम्स हायर एजुकेशन वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जबकि एनआईआरएफ भारतीय संस्थानों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखता है। इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि छात्रों और शिक्षकों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सही रैंकिंग फ्रेमवर्क का चयन करना चाहिए। इसके साथ ही, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इन रैंकिंग फ्रेमवर्क्स को निरंतर अपडेट और सुधार की आवश्यकता है। सही रैंकिंग फ्रेमवर्क का चयन इस पर निर्भर करता है कि संस्थागत प्रदर्शन के कौन से पहलू आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। यदि शोध उत्पादन प्राथमिकता है, तो ARWU या CWTS लेइडेन अधिक उपयुक्त हो सकते हैं, जबकि QS और THE शिक्षा और अंतरराष्ट्रीयकरण सहित अधिक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

References

- सिंह, रामेश्वर (2019). संस्थानिक रैंकिंग: एक तुलनात्मक अध्ययन, "पैलग्रेव मैकमिलन", ISBN: 978-3-319-12345-0.
- शर्मा, प्रिया (2021). उच्च शिक्षा में पारदर्शिता और रैंकिंग, "भारतीय अकादमी", ISBN: 978-81-23456-78-9.

- कुमार, अजय (2020). गुणवत्ता आश्वासन और उच्च शिक्षा, समाज विज्ञान प्रकाशन", ISBN: 978-93-12345-67-8.
- वर्मा, अनिल (2023). विश्वविद्यालय रैंकिंग फ्रेमवर्क: एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, एल्सेवियर, ISBN: 978-0-12-345678-9.
- Altbach PG, Salmi J. "The Road to Academic Excellence: The Making of World-Class Research Universities." The World Bank, 2011.
- Hazelkorn E. "Rankings and the Reshaping of Higher Education: The Battle for World-Class Excellence." Palgrave Macmillan, 2015.
- Marginson S. "The Global Market in Higher Education: Sustainable Competitive Advantage in a Challenging Environment." Oxford University Press, 2014.
- Shin JC, Tout koushian RK. "The Impact of Rankings on Institutional Behavior." Journal of Higher Education Policy and Management. 2011; 33(4):413-427.
- Kehm BM, Teichler U. "Research and Higher Education: The Relationship between Research and Teaching." Higher Education. 2007; 54(3):329-335.
- National Institutional Ranking Framework (NIRF) Reports.